परियोजना का विस्तार

मेरा नाम श्रीमती विजयलक्ष्मी बिजल्वाण जोशी है। मैं उत्तराखण्ड राज्य के जनपद उत्तरकाशी की निवासी हूँ। मैंने विजय पब्लिक स्कूल समिति की स्थापना सन 2000 मे की। सबसे पहले मैंने जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड नौगांव ग्राम तुनाल्का में सकलांग (सामान्य) बच्चों की शिक्षा का शुभारम्भ किया। उस समय हमारे पास विद्यालय भवन के लिये भूमि उपलब्ध नही थी। विद्यालय का संचालन ग्राम पंचायत तुनाल्का के पंचायत भवन में तथा कुछ समय तक केदार सिंह रौतेला जी के भवन मे शिक्षा का संचालन किया। उस समय हमारे सामने सबसे बडी समस्या विदयालय के लिये भूमि का न होना था। तब मेरे पिताजी श्री भगतराम बिजल्वाण जी ने विदयालय भवन के लिये भूमि दान की। अब विदयालय के लिये भूमि तो उपलब्ध हो गई परन्तु भवन बनाने के लिये मेरे पास धन का अभाव था। जिसके लिये दो कमरों का निर्माण मेरे पिताजी श्री भगतराम बिजल्वाण जी तथा दो कमरों का निर्माण मेरे बडे भाई श्री आनन्द बिजल्वाण द्वारा करवाया गया। और दो कमरों के निर्माण के लिये धनराशि एन एफ बी नई दिल्ली व एक कमरे के निर्माण के लिये धनराशि माननीय विधायक यमुनोत्री विधानसभा श्री केदार सिंह रावत जी द्वारा प्रदान किया गया। पूर्व न्यायाधीश श्रीमान् इन्दजीत मल्होत्रा पूर्ण रूप से विद्यालय के लिये समर्पित है।

उत्तराखण्ड के पहाडी क्षेत्र में दिव्यांगों की संख्या बहुत अधिक है। जो शिक्षा से वंचित हैं क्योंकि दिव्यांगों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। यह बच्चे गरीब परिवार से है तथा कुछ बच्चे अनाथ हैं। उत्तराखण्ड के पहाडी क्षेत्रों में विद्यालय के अध्यापकों द्वारा गांव–गांव जाकर सर्वेक्षण किया गया जिसमें पता चला कि दिव्यांगों की शिक्षा की उचित व्यवस्था नहीं हैं जिससे सत्र 2007 से उत्तरकाशी जिले के विकासखण्ड नौगांव ग्राम तुनाल्का में समेकित शिक्षा के अर्न्तगत सामान्य बच्चों के साथ 12 दृष्टि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा का संचालन किया गया था। प्रति वर्ष छात्र–छात्राओं की संख्या में वृद्धि की गयी जिसमें नर्सरी से कक्षा आठवीं तक की कक्षाएं संचालित हैं। दिव्यांग छात्र–छात्राओं के लिए राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून N I E P V D द्वारा अनुदान मिलता है। दृष्टिबाधित बच्चों के लिये वर्ष 2011 में पुस्तकालय खोला गया जिसके लिये मेनें N I E P V D देहरादून के ब्रेल पुस्तकालय से ब्रेल लिपि की पुस्तकों की व्यवस्था करवाई। जिससे आज विद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राएं पुस्तकालय से निःशुल्क पुस्तके प्राप्त कर ज्ञान अर्जित कर रहे हैं।

परियोजना का उद्देश्य

1–सभी प्रकार के दिव्यांगों के लिए शिक्षा की व्यवस्था करना ।

2–नर्सरी से इण्टर मीडिएट तक आवासीय विद्यालय का संचालन करना ।

3–उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र में निवास करने वाले सभी दिव्यांगों को शिक्षा को मुख्य धारा से जोड़ना।

4–दिव्यांगों के लिये तकनिकी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना।

5–दिव्यांग व सकलांग विद्यार्थियों के मध्य सामंजस्य स्थापित करना।

6–दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ व्यवसाईक शिक्षा की व्यवस्थ करना ।

7–दिव्यांग बच्चों के मनोरंजन के लिए बाध्य यंत्र, खेल सामग्री व कम्प्यूटर आदि की व्यावस्था करना ।

8–इसके साथ–साथ समाज में हो रहे प्रतिदिन शैक्षिक तथा तकनीकी परिवर्तनों के प्रति दिव्यांगो को जागरूक करना।

9–दिव्यांगों का सर्वांगीण विकास करना।

वर्ष 2014–15 से 2018–19 तक परियोजना की उपलब्धियों का विवरण

वर्ष 2013 का उत्तीर्ण छात्र पंकज राणा जो आज नेशनल दृष्टिहीन फुटबाल टीम का कप्तान है ।

वर्ष 2014

04.01.2014 को लुई ब्रेल दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय दृष्टिदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून के सौजन्य से मनरेगा योजना के अन्तर्गत 100 दिव्यांगो को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया।

उत्तरकाशी जनपद के दूरस्थ गांव में दिव्यांगजनों के लिये शिक्षा हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया।

विद्यालय में 10 नये दृष्टिबाधित बच्चों को प्रवेश दिया गया।

03.12.2014 को विश्व विकलांग दिवस पर 5 दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया।

28.12.2014 को 20 दिव्यांगजनों के पेंशन प्रपत्र जिला कार्यालय में जमा करवाये।

03 दिव्यांग व 04 अनाथ असहाय बच्चों को प्रवेश दिया।

वर्ष 2015

04.01.2015 को लुई ब्रेल दिवस मनाया गया।

31.03.2015 को 95 प्रतिशत से दिव्यांग छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय दृष्टिदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून के सौजन्य से 20.04.20 से 24.04.2015 तक बी.एड़ प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाया गया।

25.04.2015 को 15 दिव्यांग छात्रों के विकलांगता प्रमाणपत्र बनवाये।

26.04.2015 को 85 बच्चों के आधार कार्ड बनवाये गये।

31.07.2015 को उप जिला अधिकारी बड़कोट द्वारा अधोहस्ताक्षरी जाँच निरीक्षण किया गया ।

31.07.2015 को जिला अधिकारी उत्तरकाशी द्वारा जाँच निरीक्षण किया गया ।

जनपद टिहरी के दुरस्थ गांव में दिव्यांगजनों के लिये शिक्षा हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया।

25 दिव्यांगजनों को एडिप योजना के अन्तर्गत उपकरण उपलब्ध करवाये।

03 दिव्यांग व 01 अनाथ असहाय बच्चों को प्रवेश दिया।

वर्ष 2016

04.01.2016 को लुई ब्रेल दिवस मनाया गया।

06.01.2016 को दिव्यांगजनों की बैठक की गई जिसमें 60 दिव्यांगजनों की पेंशन एवं उपकरण उपलब्ध करवाने का कार्यक्रम।

01.04.2016 दिव्यांग छात्रा कल्पाना रावत को उच्च माध्यमिक कन्या पाठशाला मुराड़ी में कक्षा 9 में प्रवेश दिलाया।

26.05.2016 को केरल में 08 दिव्यांग बच्चों ने अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिहीन फुटबाल मैच में प्रतिभाग किया।

08.07.2016 को 15 दिव्यांग बच्चों को विकलांग भरण पोषण योजना के अन्तर्गत विकलांग भत्ता दिलाया गया ।

17.12.2016 को विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष में 07 दिव्यांग सम्मानित समारोह वार्षिकोत्सव एवं दिव्यांग बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

17.12.2016 को सक्षम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दयाल सिंह पंवार जी को सम्मानित करने का कार्यक्रम।

वर्ष 2017

04.01.2018 को लुई ब्रेल दिवस मनाया गया।

15.01.2017 को दिव्यांगजनों की बैठक की गई जिसमें 72 दिव्यांगजनों की पेंशन एवं उपकरण उपलब्ध करवाने का कार्यक्रम।

26.03.2017 में जनपद उत्तरकाशी के सुदूरवर्ती गांव जखोल लिवाडी फिताड़ी में जाकर दिव्यांग बच्चों को स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम किया।

05.04.2017 को 02 दृष्टि दिव्यांग बच्चों को प्रवेश दिया गया।

10.04.2017 को 10 दिव्यांग बच्चों को विकलांग भरण पोषण का लाभ दिलाया गया।

22.05.2017 को 08 बच्चों ने बंगलौर में आयोजित राष्ट्रीय दृष्टिहीन फुटबाल मैच में प्रतिभाग किया।

03.12.2017 को विश्व विकंलाग दिवस पर 7 दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया।

31.12.2017 को विद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं दिव्यांग सम्मानित समारोह में 200 दिव्यांगजनों को उपजिलाधिकारी महोदय के सहयोग से कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि डॉ कमलेश कुमार पाण्डे मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन भारत सरकार।

वर्ष 2018

04.01.2018 को लुई ब्रेल दिवस मनाया गया।

05.04.2018 को 02 दृष्टि दिव्यांग व 4 असहाय बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया गया।

10.04.2018 को 08 दिव्यांग बच्चों के विकलांगता प्रमाण पत्र C.M.O. द्वारा प्रमाण पत्र बनवाया ।

12.05.2018 को उत्तराखण्ड के राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय दिव्यांग फुटवॉल सम्मानित कार्यक्रम ।

07.10.2018 को डॉ0 उत्तमओझा सदस्य केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड दिव्यांग सामाजिक न्याय एवं अधिकार का मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र खोला गया.

08.10.2018 को दिव्यांग बच्चों के लिए बोलता कम्प्यूटर लैब खोला गया ।

03.12.2018 को विश्व विकलांगता दिवस मनाया गया ।

17.12.2018 को दिव्यांग सम्मानित समारोह में 7 दिव्यांग जनों को सम्मानित किया गया ।

17.12.2018 को ऐलिम्को के सहयोग से विकास खण्ड पुरोला एवं नौगाँव बड़कोट में विकलांग शिविर कार्यक्रम किया गया ।

17.12.2018 को जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वार विद्यालय का निरीक्षण किया गया ।

07 अक्टूबर से 24 दिसम्बर 2018 तक 54 दिव्यांगजनों के पेन्शन,प्रमाण पत्र, आधार कार्ड आदि समस्याओं का समाज कल्याण विभाग द्वारा समाधान किया ।

04.01.2019 को लुई ब्रेल का जन्म दिवस मनाया गया ।

05.01.2019 से 15.05.2019 तक 46 दिव्यांगजनों के पेन्शन,प्रमाण पत्र, आधार कार्ड आदि समस्याओं का समाज कल्याण विभाग द्वारा समाधान किया ।

08.01.2019 को 100 लागों को पेन्शन व प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में ।

05.04.2019 को 3 दिव्यांग छात्र–छात्राओं को प्रवेश दिलाया गया ।

22.06.2019 से 23.06.2019 जनपद उत्तरकाशी के दूरस्थ गंगोत्री धाम के अन्तिम गाँव में हर्षिल, झाला, मुखवा, धराली, जशपुर, पुराली गाँव में दिव्यागों की समस्याओं के निराकरण करने के लिए डॉ0 उत्तमओझा सदस्य केन्द्रीय दिव्यांग जन सलाहकार बोर्ड भारत सरकार व विजय पब्लिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय प्रबन्धक श्री विरेन्द्र दत्त जोशी संस्थापक विजय लक्ष्मी विजल्वाण जोशी सर्वेक्षण किया ।

24.06.2019 को विजय पब्लिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय तुनाल्का में पूर्व प्रधान मंत्री अटल विहारी बाजपेयी जी के स्मृति में स्थापित अटल स्मृति दिव्यांग पुस्तकालय का शिलान्यास डॉ0 उत्तमओझा सदस्य केन्द्रीय दिव्यांग जन सलाहकार बोर्ड भारत सरकार के कर कमलों द्वारा किया गया ।